राजस्थान सरकार

भूजल विभाग

जल अभियान

जल अभियान

जल चेतना यात्रा

किसान महोत्सव

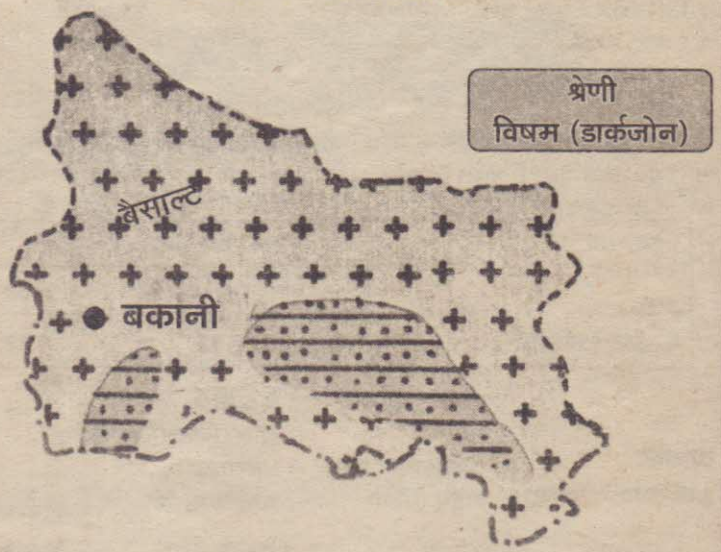

पंचायत समिति बकानी जिला झालावाड़
भूजल परिदृश्य

कार्यालय प्रभारी भूजल वैज्ञानिक
भूजल विभाग, तोपखाना, झालावाड़ ☎ : 07432-232684

बकानी पंचायत समिति में भूजल संसाधनों की नवीनतम स्थिति

बकानी पंचायत समिति झालावाड जिले के मध्य में 24° 10' से 24° 30' उत्तरी अंक्षास तथा 76° 11' से 76° 361' पूर्वी देशान्तर के मध्य 881.52 वर्ग कि.मी. क्षैत्र में फैली हुई है। जिसमें 325 ग्राम सम्मिलित है। पं.सं. समिति की जलवायु अर्द्ध शुष्क प्रकार की है तथा औसत वर्षा 885.6 मि.मी. है एवं काली सिंध, उजाड़ एवं छापी आदि प्रमुख नदियां हैं जो बरसाती हैं।

पंचायत समिति में भूजल संसाधन के तकनीकी सर्वेक्षण, आंकलन का कार्य 35 चयनित भूजल स्तर मापन केन्द्रों के माध्यम से किया जाता है। इनमें 32 स्थानों पर कुओं तथा 3 पर पीजोमीटर द्वारा प्रतिवर्ष मानसून पूर्व एवं मानसून पश्चात् भूजल स्तर मापन का कार्य किया जाता है। इसके साथ ही भूजल नमूनों को इकट्ठा कर उनका रासायनिक विश्लेषण कर दिया जाता है।

पंचायत समिति में प्रमुख भूजल भण्डारण की ईकाई ''बैसाल्ट'' है जोकि कुंओं से सिंचित होता है।

भूजल स्तर का बदलता परिदृश्य

सन् 1984 से 2005 के मानसून पूर्व भूजल स्तरों के तुल्नात्मक अध्ययन से ज्ञात होता है कि सन् 1984 में पं.स. का औसत भूजल स्तर 8.14 मी. था वह लगभग 2.57 से.मी. प्रतिवर्ष की दर से गिरता हुआ वर्तमान में 8.68 मीटर होगया है। सन् 1984-85 में जहां उपयोगी कुंओं की संख्या मात्र 8627 वह वर्ष 2003-04 में 24 प्रतिशत बढ़कर 10716 हो गई है। इसी के साथ भूजल सिंचित क्षैत्र सन् 1984-85 में जहां मात्र 4293 हेक्टेयर था सन् 2003-2004 में 377 प्रतिशत बढ़कर 20491 हेक्टेयर हो गया है। वर्तमान में यह पंचायत समिति "अति संवेदनशील" श्रेणी के अंतर्गत आती है। सन् 2005 में हुए मानसून पूर्व भूजल सर्वेक्षण के अनुसार पं.स में न्यूनतम भूजल स्तर 3.50 मीटर बावड़ी खेड़ा गांव में तथा अधिकतम 14.55 मीटर भूमाड़ा गांव में दर्ज हुआ है। कुओं की औसत भूजलदाय क्षमता 30000 लीटर प्रतिदिन से 50000 लीटर प्रतिदिन आंकी गई है। पं.स. में भूजल की रासायनिक गुणवत्ता सामान्यतः पेयजल एवं सिचांई हेतु उपयुक्त है।

नवीनतम भूजल आंकलन के अनुसार भूजल की स्थिति निम्न प्रकार है :-

1. वार्षिक भूजल पुनर्भरण (दस लाख घन मीटर)	63.0508
2. सिंचित क्षेत्र में भूजल दोहन (दस लाख घन मीटर)	55.6056
3. पेयजल एवं ओद्योगिक उपयोग हेतु दोहन (दस लाख घन मीटर)	2.9527
4. भूजल दोहन की दर ()	92.87
5. भूजल श्रेणी	संवेदनशील

उपरोक्त से स्पष्ट है कि भूजल का संवैधानिक उपयोग कृषि क्षैत्र में सिंचाई हेतु होता है। अन्धा धुंद भूजल दोहन से भूजल स्तर निरन्तर गिरता जा रहा है एवं कुंए और अधिक गहराई से भूजल भण्डारों को लगातार खाली कर रहे हैं।

जोन/ वर्ष	भूजल स्तर मीटर में		
	1995	2000	2005
बेसाल्ट (असिंचित)	7.70	8.52	8.82

पंचायत समिति : बकानी
तहसील : झालरापाटन (भाग)
पोटेन्शियल जोन : ''बैसाल्ट''
टाईप ऐरिया : नान कमाण्ड

तहसील झालरापाटन (भाग)

सम्मिलित गांवों की सूची

1 आगरिया
2 अमरपुरा
3 अमरपुरा कलां
4 अमरपुरा खुर्द
5 आमझर कलां
6 आमझर खुर्द
7 आनन्दपुरा
8 बगवाड़ा
9 बकानी
10 बांसखेड़ी
11 बांसखोयरा
12 बावड़ीखेड़ा
13 बड़ाय
14 बड़बड़
15 बरखेड़ा कलां
16 बरखेड़ा खुर्द
17 बरखेड़ी
18 बीरखंगा
19 भानपुरा
20 भावपुरा
21 भोज्याखेड़ी
22 भूमाड़ा
23 भूमाड़ी
24 बोरझड़ी
25 बोरखेड़ी
26 बृह्मपुरा
27 बृजपुरा
28 चकदेवर नं. 1
29 चकदेवर नं. 2
30 चारडूंगरी
31 चोकड़ी
32 डांगल
33 दांतिया
34 दौलतपुरा
35 दीन्याखेड़ी
36 दीवड़ी
37 देवडूंगरी
38 देवली
39 देवनगर
40 देवरी
41 देवरी
42 देवर
43 धानोदा
44 धारली
45 दियाधरी
46 दुधालिया
47 गडारी
48 गणेशपुरा

49 गणेशपुरा
50 गणेशपुरा
51 गणेशपुरा उर्फ सूलीपुरी
52 पुरा उर्फ तुमड़िया खेड़ी
53 गाड़ा गांव
54 गरवाड़ा
55 गिरधरपुरा
56 गोपालपुरा
57 गोपालपुरा उर्फ गुराड़िया
58 गोरधनपुरा
59 गोरधनपुरा उर्फ नयांगांव
60 गोविन्दपुरा
61 गोविन्दपुरा
62 गुराड़खेड़ा
63 हरिपुरा
64 हरिपुरा
65 हरिपुरा
66 हरिपुरा
67 हरिपुरा उर्फ झंटालिया
68 हरिपुरा उर्फ लेवड़ा
69 जबरपुरा
70 जगपुरा
71 झीझनीया
72 झीकड़ीया
73 झीतापुरा
74 झूमकी
75 काल्याखेड़ी
76 कंकरिया कनवाड़िया
77 करल गांव
78 खाचरोद
79 खटकड़
80 खेरिया
81 किशनपुरा
82 किशनपुरा उर्फ दमकपुरा
83 किशनपुरा उर्फ बारा
84 कोली
85 कोली
86 कोटड़ा घटा
87 कोटड़ा कुंजा
88 कोटड़ा राड़ी
89 कुशलपुरा
90 लक्ष्मीपुरा
91 लक्ष्मीपुरा
92 लालपुरा
93 लालपुरी
94 लाल्याखेड़ी
95 लाल्याखेड़ी
96 लोड़ा खेड़ा
97 मदनपुरा
98 महेशपुरा
99 मानपुरा
100 मानपुरा
101 मेलकी
102 मोल्कया कलां
103 मोल्कया खुर्द
104 मोरडी वीरान
105 मोड़ी
106 मोरूखेड़ी
107 मोतीपुरा
108 मोतीपुरा
109 मोतीपुरा
110 मोया खेड़ी
111 नाहरड़ी कलां
112 नाहरड़ी खुर्द
113 नानोर
114 नपानियां दल्ला
115 नपाण्या गूजरान
116 नरसिंह पुरा
117 नयांगांव भीलान
118 नसीराबाद
119 नया खेड़ा
120 नीमखेड़ा
121 नेऊखेड़ी
122 नरसिंह पुरा
123 पाडल्या गुजरान
124 पाडल्या कुलमी
125 पंच पीपल्या
126 पांडकी
127 परथीपुरा
128 परथीपुरा वीरान
129 पथरिया
130 पथरी
131 पीपल्या नगा
132 पीपल्या तालाब
133 प्रहलादपुरा
134 प्रेमपुरा
135 पुन्या खेड़ी
136 राजपुरा
137 राजपुरा
138 राजपुरा
139 रामचन्द्रपुरा
140 रामनिवास
141 रामपुरिया
142 रतनपुरा
143 रटलाई
144 रात्या डूंगरी
145 रीछवा
146 रीजोदा
147 रीजोन
148 रेंपला
149 रूपपुरा
150 रूघनाथपुरा
151 सकतपुरा
152 सलावद
153 सावलंपुरा
154 सवाखोह
155 सेमलखेड़ा
156 सेमली
157 सेमली कलां
158 सेवन्या. कलां
159 शिवपुरा
160 शिवपुरा
161 श्री पुरा
162 श्यापुरा उर्फ खेड़ली
163 सूरजपुरा
164 सूरी
165 टेकली
166 टेकला
167 थोबड़िया कलां
168 थोबड़िया खुर्द
169 टीटोड़िया
170 टोकड़ी
171 उंखली
172 उम्मेदपुरा
173 विजयपुरा
174 वाजिन्दपुरा

तहसील : अकलेरा (भाग)

175 अमरपुरा
176 अमलावदा
177 अमृत खेड़ी
178 आनन्दपुरा
179 आरडी खेड़ा
180 आसलपुर
181 बहेड़ी कलां
182 बहेड़ी खुर्द
183 बैरागढ़
184 बलदेवपुरा
185 बांकड
186 बांस खेड़ी लोदान
187 बांसोदिया
188 बावड़ी खेड़ा
189 बपावर
190 बरेडी कलां
191 बर खेड़ी
192 भालता
193 भण्डेरी
194 भानपुरा
195 भरतपुरा
196 भील भालती
197 भील खेड़ा
198 विलोन्या
199 बिन्दा खेड़ा
200 बिन्दली
201 बिन्दायका
202 बिन्दायकी
203 बोरबन्द
204 बोरखेड़ी गूजरान
205 बोरखेड़ी लोदान
206 चन्दीपुर
207 चन्द्रपुरा
208 छाबड़िया
209 दादलाई
210 दही खेड़ा
211 देहलनपुर
212 देवली
213 देबली बड़
214 देवरी खेड़ा
215 देवरी मन्दिर
216 धुवारिया
217 डोरया खेड़ी
218 दूधिया खेड़ी
219 डूगर गांव
220 दुर्जनपुरा
221 दुर्जनपुरा खुर्द
222 गादिया
223 गादिया जयमाल
224 गणेशपुरा
225 गणेशपुरा
226 गणेशपुरा उर्फ मांगल्या
227 गरडा
228 गेंहू खेड़ी
229 घाटोली
230 घोड़ा खेड़ा
231 गोपालपुरा
232 गोरधनपुरा (निकट झीकांर)
233 गोरधनपुरा (निकट कोली)
234 गोरया खेड़ा
235 गुल खेड़ी
236 गुराडी
237 हरिपुरा
238 हरनावदा खुर्द
239 जगदीशपुरा
240 जालमपुरा
241 झीकड़िया
241 काल्या खेड़ी
243 कंवरपुरा
244 खजूरी
245 खड़िया
246 खर खेड़ा
247 खेर खेड़ी
248 खेर दन्ता
249 खेर खेड़ा(अमृतखेड़ी)
250 खेर खेड़ा (निकट किशोरपुरा)
251 खेड़ला
252 खोखरया
253 खुरी
254 किशनपुरा
255 किशोरपुरा
256 कोहड़ी झर
257 कोली
258 कोलू खेड़ा
259 कीटड़ा
260 कोटड़ा जागीर
261 कुशालपुरा
262 लक्ष्मीपुरा
263 मदनपुरा उर्फ चुरेल
264 महुवा खेड़ा
265 महुवा खोह
266 मंगलपुरा
267 मानपुरा
268 मानपुरा गुजरान
269 मानपुरा जागीर
270 मानपुरा लोदान
271 मान्या खेड़ी
272 मोई कलां
273 मोई खुर्द
274 मोठपुरा
275 मोतीपुरा
276 मोतीपुरा
277 नाहरगढ़
278 नपान्या
279 नयागांव
280 नयागांव
281 नया खेड़ा
282 नीम खेड़ा
283 पचोला
284 पाडल्या
285 पाडल्या
286 पचांन खेड़ी
287 पाटन
288 पाटड़ी
289 पाटड़ी खेड़ा
290 पीपल्दी
291 पीथापुरा
292 पृथ्वीपुरा
293 पृथीपुरा
294 राम भालती
295 रामपुरा
296 रामपुरिया
297 रामपुरिया कलां
298 रामपुरिया खुर्द
299 रांकडा
300 रोज्या
301 रूपपुरा
302 सागोंड़िया
303 सनखोड़ी
304 सरबुलन्दपुरा
305 सरड़ा
306 सावल्दा
307 सेमली
308 सेमली कलां
309 सेन्दरी
310 सेवन्दया खुर्द
311 शिवपुरा
312 श्योपुरा
313 सोहनखोड़ा
314 सूरी
315 तलावड़ा
316 तलाब भालती
317 तीज बरड़ी
318 टोड़ा
319 टोल खोड़ा
320 टोल खोड़ा
321 उचावदा
322 उचावदी
323 उमरी
324 उमरिया
325 उपसली

क्षेत्र में घटते भूजल संसाधन से उत्पन्न समस्यायें

- कुओं एवं नलकूपों का सूख जाना
- कुओं/ नलकूपों की जलप्रदाय क्षमता में कमी
- भूजल गुणवत्ता में गिरावट
- भूजल संसाधनों में निरन्तर कमी
- भूजल दोहन में ऊर्जा खपत में बढ़ोतरी
- पेयजल एवं कृषि उपयोग हेतु जल की अनुपलब्धता

जन सहभागिता

राज्य सरकार ने "जल अभियान" की पहल करके जनता के सामने घटते जल संसाधन को पुनर्भरण द्वारा बढ़ाने के उद्देश्य से जन सहभागिता के माध्यम से कार्य योजना पूरी करने का निश्चय किया है। **जल अभियान** के तहत **जल चेतना यात्रा-किसान महोत्सव** द्वारा उद्देश्य कि पूर्ति सुनिश्चित कि जावेगी।

बूंद-बूंद जल रोकिये, भरिये जल भण्डार।
कूप और नलकूप फिर, कभी न हों बेकार।।

जल संरक्षण एवं प्रबन्धन

पंचायत समिति में गिरते भूजल स्तर से होने वाले दुष्परिणामों को दूर करने में निम्नांकित सुझाव उपयोगी होंगे :-

- भूजल स्तर में गिरावट के दुष्प्रभावों का व्यापक प्रचार - प्रसार एवं भूजल के अत्यधिक दोहन रोकने हेतु जन जागरण करना।
- सिंचाई हेतु जल बचत की तकनीकों जैसे बूंद-बूंद सिंचाई/ फव्वारा सिंचाई पद्धति का उपयोग करना एवं कम जल खपत करने वाली फसल अपनाना।
- दैनिक उपयोग में जल की बर्बादी को रोकना तथा जल को "मूल्यवान" वस्तु की तरह संरक्षित करना।
- क्षेत्र के शिक्षार्थियों एवं अध्यापक वर्ग के मध्य "भूजल संसाधन : समस्यायें और समाधान" आदि विषयक् जानकारी प्रसारित कर जन जागरण करना।
- भूजल दूषण एवं प्रदूषण रोकने हेतु आवश्यक जानकारी का शहरी व ग्रामीण जनता के मध्य प्रसार कर, भूजल दूषण एवं प्रदूषण रोकने हेतु उपाय सुझाना जिससे भूजल की गुणवत्ता प्रभावित न हो।
- नदी-नालों में बहते व्यर्थ वर्षा जल को एनीकट, बांध या बेरियर इत्यादि जल संग्रहण संरचनाओं द्वारा संग्रहित करना। अनुपयोगी/ बेकार पड़ी पुलियों व संरचनाओं को जल संग्रहण हेतु उपयोगी बनाना।
- सघन वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देना, जिससे भूमि की आर्द्रता एवं जल धारण क्षमता में वृद्धि के साथ पर्यावरण संरक्षित तथा सुरक्षित भी रहे।

भूजल के कृत्रिम पुनर्भरण के उपाय

प्रतिदिन बढ़ती भूजल की मांग व अल्प वर्षा के फलस्वरुप भूजल के सदुपयोग व पुनर्भरण के बारे में गम्भीरता से निम्नलिखित विचार करने की आवश्यकता है:

- ग्रामीण एवं शहरी जनता के बीच सूचना, शिक्षा एवं संप्रेषण के माध्यम से जन-मानस में वर्षा जल के संग्रहण का वातावरण निर्माण करना।
- शहरी क्षेत्रों में भवनों की छतों व धरातलीय वर्षा जल से भूमि जल पुनर्भरण की योजनाओं को प्रोत्साहन देना।